अल्कोहल आधारित उद्योगों में होगा 4300 करोड़ का निवेश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में अल्कोहल आधारित उद्योगों में 4300 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को हुए आबकारी विभाग के निवेशक सम्मेलन में इससे जुड़े प्रस्ताव मिले। इस अवसर पर देशभर के 100 से अधिक उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया।

निवेशक सम्मेलन का शुभारंभ आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने किया। इस दौरान निवेशकों ने प्रदेश में निवेश करने में रुचि दिखाई। सम्मेलन में अल्कोहल निर्माण, ब्रिवरी, वाइनरी व अन्य संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न सत्रों के माध्यम से निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

नितिन अग्रवाल ने कहा कि पहली बार प्रदेश में आबकारी निवेशक सम्मेलन का आयोजन हुआ है। बीते आठ वर्ष में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश का परिदृश्य बदला है। यूपी अब निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण गंतव्य बन चुका है। पहले यूपी कंज्यूमर स्टेट कहा जाता था, जो छवि बदलने के बाद प्रोडक्शन स्टेट बन चुका है।

आबकारी विभाग के पहले निवेशक सम्मेलन में देशभर के उद्योगपति हुए शामिल

अल्कोहल निर्माण से संबद्ध क्षेत्रों में निवेश पर हुई चर्चा

टॉप निवेशक कंपनियां

कंपनी नाम	निवेश
केयान डिस्टलरी, गोरखपुर	2265
सीआरआइ फूड एंड बेवरेज	300
शिवांश एलाइंस इंडस्ट्रीज सीतापुर और हरदोई	550
बीएएस भारेट, अलीगढ़	200
एलियांज डिस्टलरी, मथुरा	200

(राशि करोड़ में)

■ सरकार सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध

आबकारी मंत्री ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत निवेशकों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनको सुरक्षित, पारदर्शी और लाभकारी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में सुपीरियर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी मनीष अग्रवाल, निदेशक अमित महर्षि एवं ग्रुप के सीएचआरओ एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स प्रमुख डॉ. सुनील कुमार मिश्रा ने आबकारी मंत्री से मिलकर प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बरेली में एथनॉल यूनिट की क्षमता विस्तार के लिए 74 करोड़ का एमओयू किया है। सम्मेलन में लखनऊ में निवेश के लिए दो कंपनियां आगे आईं। इनमें लखनऊ डिस्टलरी व एचजी ब्रेवर्स 100-100 करोड़ का निवेश करेंगी। >> शराब से यूपी को 56000 करोड़ रुपये का राजस्व : पेज 5